अनुक्रमणिका

BALR. [illegible] LIBRARY
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय - ''मोहनदास नैमिशराय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व'' **पृ. 1 - 15**

प्रस्तावना

1.1 व्यक्तित्व

1.1.1 जन्म

1.1.2 परिवार

1.1.2.1 माता

1.1.2.2 पिता

1.1.3 बचपन

1.1.4 कुमारावस्था

1.1.5 शिक्षा

1.1.6 नौकरी

1.1.7 पत्नी और बच्चे

1.1.8 समाज के प्रति योगदान तथा दृष्टिकोन

1.2 कृतित्व

1.2.1 मोहनदास नैमिशराय का उपलब्ध साहित्य

1.2.1.1 उपन्यास साहित्य

1.2.1.2 कहानी साहित्य

1.2.1.3 नाटक

1.2.1.4 काव्य

1.2.1.5 आत्मकथा

1.2.1.6 जीवनी

UNIVERSITY, KOLHAPUR

1.2.1.7 अन्य साहित्य

1.2.1.7.1 वैचारिक ग्रंथ

1.2.1.7.2 शोध ग्रंथ

1.2.1.7.3 संपादित साहित्य

1.2.1.7.4 बाल साहित्य

1.2.1.7.5 संकलित साहित्य

1.2.1.7.6 अनूदित साहित्य

1.2.1.7.7 अंग्रेजी साहित्य

1.2.1.8 पुरस्कार

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय - ''विद्रोह की संकल्पना एवं स्वरूप विवेचन'' पृ. 16 - 32

प्रस्तावना

2.1 विद्रोह शब्द की व्युत्पत्ति और अर्थ

2.2 विद्रोह शब्द का अर्थ

2.3 विद्रोही शब्द के विभिन्न कोशों में अर्थ

2.4 विद्रोह की परिभाषा

2.5 विद्रोह के भेद

2.5.1 राजनीतिक विद्रोह

2.5.2 सामाजिक विद्रोह

2.5.3 आर्थिक विद्रोह

2.5.4 धार्मिक विद्रोह

2.6 विद्रोह का स्वरूप

2.7 उपन्यासों में विद्रोह

2.7.1 नारी का व्यवस्था के प्रति विद्रोह

2.7.2 आंतर्जातीय विवाह के प्रति विद्रोह

2.7.3 अंधश्रद्धा के प्रति विद्रोह

2.7.4 शिक्षा के प्रति विद्रोह

2.7.5 धर्म के प्रति विद्रोह

2.7.6 गुलामी के प्रति विद्रोह

2.7.7 रूढ़ी-परंपरा के प्रति विद्रोह

2.7.8 अमानवीय व्यवहार के प्रति विद्रोह

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय - ''मोहनदास नैमिशराय के उपन्यासों में समकालीन परिवेश'' पृ. 33 - 68

प्रस्तावना

3.1 परिवेश : स्वरूप एवं संकल्पना

3.2 मोहनदास नैमिशराय के उपन्यासों में सामाजिक परिवेश

3.2.1 'मुक्ति पर्व' में सामाजिक परिवेश

3.2.2 'आज बजार बंद है' में सामाजिक परिवेश

3.2.3 'वीरांगना झलकारी बाई' में सामाजिक परिवेश

3.3 मोहनदास नैमिशराय के उपन्यासों में धार्मिक परिवेश

3.3.1 'मुक्ति पर्व' में धार्मिक परिवेश

3.3.2 'आज बजार बंद है' में धार्मिक परिवेश

3.3.3 'वीरांगना झलकारी बाई' में धार्मिक परिवेश

3.4 मोहनदास नैमिशराय के उपन्यासों में राजकीय परिवेश

3.4.1 'मुक्ति पर्व' में राजकीय परिवेश

3.4.2 'आज बजार बंद है' में राजकीय परिवेश

3.4.3 'वीरांगना झलकारी बाई' में राजकीय परिवेश

3.5 मोहनदास नैमिशराय के उपन्यासों में आर्थिक परिवेश

3.5.1 'मुक्ति पर्व' में आर्थिक परिवेश

3.5.2 'आज बजार बंद है' में आर्थिक परिवेश

3.5.3 'वीरांगना झलकारी बाई' में आर्थिक परिवेश

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - ''मोहनदास नैमिशराय के विवेच्य उपन्यासों की कथावस्तु'' पृ. 69 - 115

प्रस्तावना

4.1 'मुक्ति पर्व' उपन्यास की कथावस्तु

4.2 'आज बजार बंद है' उपन्यास की कथावस्तु

4.3 'वीरांगना झलकारी बाई' उपन्यास की कथावस्तु

निष्कर्ष

पंचम अध्याय - ''मोहनदास नैमिशराय के उपन्यासों में चित्रित विद्रोह'' पृ. 116 - 150

प्रस्तावना

5.1 सामाजिक विद्रोह

5.1.1 'मुक्ति पर्व' उपन्यास में सामाजिक विद्रोह

5.1.2 'आज बजार बंद है' उपन्यास में सामाजिक विद्रोह

5.1.3 'वीरांगना झलकारी बाई' उपन्यास में सामाजिक विद्रोह

5.2 राजकीय विद्रोह

5.2.1 'मुक्ति पर्व' उपन्यास में राजकीय विद्रोह

5.2.2 'आज बजार बंद है' उपन्यास में राजकीय विद्रोह

5.2.3 'वीरांगना झलकारी बाई' उपन्यास में राजकीय विद्रोह

5.3 धार्मिक विद्रोह

5.3.1 'मुक्ति पर्व' उपन्यास में धार्मिक विद्रोह

5.3.2 'आज बजार बंद है' उपन्यास में धार्मिक विद्रोह

5.3.3 'वीरांगना झलकारी बाई' उपन्यास में धार्मिक विद्रोह

निष्कर्ष

उपसंहार पृ. 151 - 158

संदर्भ ग्रंथ सूची पृ. 159 - 163

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.